

**हविष्य वि.** (तत्.) 1. वह पदार्थ जिसकी हवन में आहुति दी जा सकती हो या दी जाने को हो 2. किसी देव विशेष के उद्देश्य से दी जाने वाली आहुति।

**हविष्यान्न पुं.** (तत्.) वह विहित सात्विक अन्न या आहार जो यज्ञ के दिनों में किया जाता है जैसे- जौ, तिल, मूँग, चावल इत्यादि।

**हविस स्त्री.** (अर.) दे. हवस।

**हवीन पुं.** (देश.) खूँटे अथवा पतंग की चरखी के सदृश वह उपकरण जिसमें लंगर डालने के समय जहाज की रस्सियाँ बाँधी या लपेटी जाती हैं।

**हवेली स्त्री.** (अर.) 1. राजाओं, रईसों के वर्ग के लोगों का रहने का ऊँचा, पक्का और बड़ा मकान 2. काठियावाड़ (गुजरात) में वल्लभ संप्रदाय के मंदिरों की संज्ञा 3. काठियावाड़ के मंदिरों में होने वाला वह कीर्तन जिसमें शास्त्रीय शैली के राग और रागिनियों का गायन होता है।

**हव्य वि.** (तत्.) जो हवि के रूप में अग्नि में डाला जाने को हो या डाला जा सकता है पुं. 2. हवन की सामग्री 3. किसी देवता के लिए दी जाने वाली आहुति।

**हव्यभुज पुं.** (तत्.) अग्नि।

**हव्ययोनि पुं.** (तत्.) देवता।

**हशमत स्त्री.** (अर.हश्मत) 1. गौरव या बड़ाई 2. ऐश्वर्य, वैभव।

**हशर पुं.** दे. हश्र।

**हशीश स्त्री.** (अर.) भाँग की पत्तियाँ का वह कोमल भाग जिन्हें सुखाकर नशे के लिए खाया या पिया जाता है, चरस।

**हश्र पुं.** (अर.) 1. परिणाम, अंत, नतीजा 2. महाप्रलय या कयामत 3. ईसाइयों, मुसलमानों के अनुसार कयामत होने पर मरे हुए लोगों का कब्र से बाहर निकल कर ईश्वर के सामने उपस्थित होना तथा उनके कर्मों के अनुसार उन्हें सदैव के लिए स्वर्ग या नरक में भेजना 4. रोना-पीटना या विलाप 5. बहुत जोर का शोर या हो हल्ला।

**हसंती स्त्री.** (तत्.) 1. अँगोठी उदा. हँसे हसंती में खिल-खिलकर अनलकुसमु अंगारे 2. एक प्राचीन नदी 3. मल्लिका का एक प्रकार।

**हसत पुं.** (तद्.) 1. हस्त, हाथ 2. हरित, हाथी।

**हसती पुं.** (देश.) पुं हस्ति (हाथी) स्त्री. हस्ती (अस्तित्व)।

**हसन पुं.** (तत्.) 1. हँसने की क्रिया या भाव, हास 2. ठट्ठा, परिहास, मजाक 3. कार्तिकेय का एक अनुचर पुं. (अर.) अली के दो बेटों में से एक, जो मजीद के साथ लड़ाई में मारा गया था और जिसका शोक शिया मुसलमान मुहर्रम में मनाते हैं तथा ताजिए निकालते हैं।

**हसनीय वि.** (तत्.) उपहास या मजाक के योग्य, हास्यास्पद।

**हसनैन पुं.** (अर.) हसन और हुसैन नामक दोनों भाई जो अली के पुत्र थे उदा. जहाँ हसनैन बतूल सनेहा, तहाँ समाइ न दूसरि देहा -नूरमोहम्मद।

**हसब अव्य.** (अर.हस्ब) अनुसार, मुताबिक जैसे-हसब हैसियत-अपनी हैसियत के अनुसार।

**हसम पुं.** (अर.हश्म) 1. धन-संपत्ति, वैभव 2. ठाट-बाट 3. शोभा।

**हसर पुं.** (अर.हजर) रिसाले के सवारों के तीन भेदों में से एक जिनके अस्त्र तथा घोड़े हल्के तथा वर्दियाँ चटकीले रंगों की होती हैं।

**हसरत स्त्री.** (अर.) 1. कामना, वासना या इच्छा 2. खेद या दुख 3. पश्चाताप।

**हसावर पुं.** (देश.) खाकी रंग की एक प्रकार की बड़ी चिड़िया जिसकी गरदन एक हाथ लंबी और चोंच केले के फल के समान होती है।

**हसिका स्त्री.** (तत्.) हँसने की क्रिया या भाव, हँसी 2. उपहास, ठट्ठा।

**हसित पुं.** (तत्.) 1. जो हँसा हो 2. जिस पर हँसा गया हो 3. जिस पर लोग हँसते हों पुं. 1. हँसी, हास्य 2. कामदेव के धनुष का नाम।

**हसौन वि.** (अर.) सुंदर या खूबसूरत व्यक्ति।